के कम्प्यूटरों, टेलेक्स मशीनों और टेली-प्रिन्टरों जैसे दर्जनों आधुनिक यंत्रों के आगमन और अबाधित प्रयोग के फलस्वरूप हिन्दी के प्रसार का कार्य वर्षों पीछे पड़ गया है और जहां भी टेलेक्स मशीनें लगायी गई हैं वहां से एक भी तार हिन्दी में नहीं भेजा गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि "क" क्षेत्रों में अंग्रेजी के टंकण यंत्रों आदि की तुलना में देवनागरी के टंकण यंत्रों, टंकणों और आशुलिपिकों की संख्या नहीं के बराबर है जबकि उनकी संख्या 50.50 होनी चाहिये थी ; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और हिन्दी भाषा के प्रसार के लिये क्या नये कदम उठाए गए हैं ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के. आर. नारायणन्) : (क) जी नहीं ।

(क) और (ग) राजभाषा में किये जाने वाले कार्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये विभाग में पर्याप्त संख्या में हिन्दी के टाइपराइटर, "आशु-लिपिक" और टाइपिस्ट उपलब्ध हैं ।

हिन्दी भाषा का प्रचार

350. श्री राम चन्द्र विकल : क्या **रक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "क" और "ख" क्षेत्रों में राजभाषा अधिनियम की पूर्णत: अवहेलना करते हुए, रोमन लिपि के कम्प्यूटरों, टेलेक्स मशीनों और टेलीप्रिंटरों जैसे दर्जनों आधुनिक यंत्रों के आगमन और अबाधित प्रयोग के फलस्वरूप रक्षा मंत्रालय में हिन्दी के प्रसार का कार्य वर्षों पीछे पड़ गया है और जहां भी टेलेक्स मशीनें लगायी गई हैं वहां से एक भी तार हिंदी में नहीं भेजा गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि "क" क्षेत्रों में अंग्रेजी के टंकण यंत्रों आदि की तुलना में देवनागरी के टंकण यंत्रों, टंककों और आशुलिपिकों की संख्या नहीं के बराबर है जबकि उनकी संख्या 50:50 होनी चाहिये थी; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और हिंदी भाषा के प्रसार के लिये क्या नये कदम उठाए गए हैं ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) सरकारी कार्य को निपटाने में हिन्दी का प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ रहा है । मशीनी सहायता बहुत सीमित संख्या में है और उनके काम बहुत ही कम अनुपात में लिया जा रहा है । सभी संबंधित को इस बात के अनुदेश जारी किए गए हैं कि वे भविष्य में द्विभाषी मशीनें खरीदें ।

(ख) और (ग) इस समय देवनागरी टाइपराइटरों, हिंदी टंककों और हिन्दी आशुलिपिकों की संख्या अंग्रेजी में इनकी संख्या की तुलना में बहुत कम है । फिर भी, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास किये जा रहे हैं । हाल ही में 31-3-1990 तक हिंदी आशुलिपिकों और 31-3-1989 तक हिन्दी टंककों के लिये निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये विस्तृत अनुदेश जारी किए गए हैं । देवनागरी टाइपराइटरों की खरीद के लिये भी संशोधित अनुदेश जारी कर दिए गए हैं ।

राजभाषा अधिनियम के उपबंधों का कार्यान्वयन

351. श्री राम चन्द्र विकल : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह पता लगाने के लिये कभी कोई प्रयास किया गया है कि राजभाषा अधिनियम के उपबंधों और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के वार्षिक कार्यक्रम का शत-प्रतिशत कार्यान्वयन अभी तक क्यों नहीं किया गया है ;

(ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों तथा हिन्दी अनुभाग की फाइलों को छोड़कर ऐसी फाइलों की संख्या कितनी है जिनमें राजभाषा में, अर्थात् हिन्दी में काम किया जा रहा है ;

(ग) मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के कितने उपक्रम काम कर रहे हैं और प्रत्येक उपक्रम में राजभाषा से संबंधित कार्य के बारे में क्या स्थिति है ; और

(घ) मंत्रालय में हिन्दी, अंग्रेजी और द्विभाषी कम्प्यूटरों, टेलेक्सों, टेलीप्रिंटरों आदि की संख्या कितनी है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन्) : (क) राजभाषा अधिनियम तथा वार्षिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में और तिमाही रिपोर्टों के माध्यम से की जाती है।

(ख) प्रशासनिक मामलों से संबंधित फाइलों पर चुनिंदा आधार पर टिप्पणियां और मसौदे हिन्दी में लिखे जाते हैं ।

(ग) इस विभाग के प्रशासनिक नियन्त्रण में सरकारी क्षेत्र के चार उपक्रम हैं । इन उपक्रमों में हिन्दी का यथासम्भव प्रयोग किया जाता है ।

(घ) इस विभाग के सचिवालय में एक "लिपि" शब्द-संसाधक काम में लाया जा रहा है । "शब्दमाला" नामक एक देवनागरी सॉफ्टवेयर भी पर्सनल कम्प्यूटरों में काम में लाने के लिये खरीदा गया है ।

राजभाषा अधिनियम के उपबंधों का कार्यान्वयन

352. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह पता लगाने के लिये कभी कोई प्रयास किया गया है कि राजभाषा अधिनियम के उपबंधों और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के वार्षिक कार्यक्रम का शत-प्रतिशत कार्यान्वयन अभी तक क्यों नहीं किया गया है;

(ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों तथा हिंदी अनुभाग की फाइलों को छोड़कर ऐसी फाइलों की संख्या कितनी है जिनमें राजभाषा में, अर्थात् हिन्दी में काम किया जा रहा है ;

(ग) मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के कितने उपक्रम काम कर रहे हैं और प्रत्येक उपक्रम में राजभाषा से संबंधित कार्य के बारे में क्या स्थिति है ; और

(घ) मंत्रालय में हिन्दी, अंग्रेजी और द्विभाषी कम्प्यूटरों, टेलेक्सों, टेलीप्रिंटरों आदि की संख्या कितनी है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन्) : (क) हिंदी के प्रयोग की प्रगति का परिवीक्षण और पुनरीक्षण राजभाषा कार्यान्वयन समिति, राजभाषा विभाग और हिंदी सलाहकार समिति द्वारा समय-समय पर किया जा रहा है ।

(ख) लगभग 100 फाइलों में हिंदी में भी काम हो रहा है ।

(ग) इस विभाग के प्रशासनिक नियन्त्रण में कोई सरकारी उपक्रम नहीं है ।